एक 'शिक्षिका' ऐसी भी जो 'वेतन' से 'बच्चों' को 'भोजन' करा 'रही'

प्रधानाचार्या इंदू कुमारी एमडीएम सहित अन्य अनियमितता के आरोप में निलंबित तो हो गई, मगर इन्होंने प्रधान से मिलकर अनाज ही बंद करवा दिया

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...सदर ब्लॉक के बहलोलवा प्राथमिक विधालय की प्रभारी प्रधानाचार्या षिखा सिंह को उनके निलंबित प्रधानाचार्या इंदू कुमारी की खामियाजा न सिर्फ उन्हें बल्कि स्कूल के गरीब बच्चों को भी भोजन न मिलने के रुप में भुगतना पड़ रहा है।

यह तो एमडीएम सहित अन्य अनियमितता के आरोप में निलंबित हो गई, मगर इन्होंने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके प्रधान से कहकर एमडीएम का अनाज देना बंद करवा दिया, मगर, जब प्रभारी प्रधानाचार्या ने देखा कि गरीब बच्चों को भोजन नहीं मिल रहा है, और जिसके चलते बच्चों की संख्या कम हो रही है, तो उन्होंने वेतन/उधार से बच्चों के लिए खाने की व्यवस्था कराया। एक प्रधानाचार्या इंदू कुमारी हैं, जिन पर बच्चों का अनाज खाने का आरोप है, और दूसरी यह प्रभारी प्रधानाचार्या षिखा सिंह हैं, जो बच्चों को वेतन/उधार से खाना खिला रही है। प्रधान ने भी इस मामले में अपने दायित्वों का निवर्हन नहीं किया।

अब सवाल उठ रहा है, कि एक शिक्षिका कब तक वेतन से या फिर

▸▸ निलंबन हुए लगभग तीन माह हो गए, मगर अभी तक यह अटैच वाले स्कूल नगहरा ज्वाइन नहीं किया ▸▸ स्कूल को एमडीएम का अनाज न मिलने से प्रभारी प्रधानाचार्या शिखा सिंह अपने वेतन से बच्चों को दोपहर का खाना खिला रही, ताकि बच्चें भूखे न रहे ▸▸ सदर ब्लॉक के प्राथमिक विधालय बहलोलवा की निलंबित प्रधानाचार्या का मामला

उधार लेकर बच्चों को भोजन कराएंगी। विभाग भी इस मामले में चुप्पी साधे हुए है। विभाग के बीएसए और एसडीआई की बात ही मत करिए। निलंबित हुए लगभग तीन माह हो गए, मगर यह दोनों अधिकारी मिलकर आज तक इंदू कुमारी को नगहरा स्कूल पर अटैच नहीं करवा पाए, कागजों में इन्हें अटैच कर दिया गया, मगर अभी तक यह नगहरा गई ही नहीं, और पुराने स्कूल में घूम फिर कर राजनीति कर रही है, और शिखा सिंह के खिलाफ माहौल तैयार करवा रही है, हालांकि शिखा सिंह का भी वेतन बाधित है। बहुम कम महिला प्रधानाचार्या होगी जिन पर इतना अधिक अनियमितता का आरोप लगा हो। शायद ही कोई ऐसा आरोप होगा, जो इन पर न लगा हो।

बावजूद इनके कार्यशैली में न तो कोई सुधार हो रहा है, और न कोई बदलाव, यही कारण है, कि अभी तक इनकी बहाली नहीं नहीं हुई, जबकि अमूमन कोई भी गुरुजी एक माह से अधिक निलंबित नहीं रहता। यह उस सरकारी गुरुजी का सच है, जिन्हें इतना वेतन मिलता है, जितने में एक कांवेंट स्कूल के सभी गुरुजी को मिलाकर नहीं मिलता होगा। रही बात सरकारी स्कूलों के गुरुजी के सापेक्ष कांवेंट स्कूल के गुरुजी कि तो यह किसी से छिपी हुई नहीं, कम से कम कांवेंट स्कूल के गुरुजी बच्चों का अनाज तो नहीं खाते और न अपने स्कूल में अनियमितता ही करते है। अनियमितता के चलते ही सरकार, सरकारी स्कूलों के गुरुजी पर आए दिन शिकंजा कसने वाला फरमान जारी कर रही। आज तक आप लोगों ने कभी यह नहीं सुना होगा कि कोई कांवेंट स्कूल का शिक्षक भी निलंबित हुआ होगा, या फिर यह भी नहीं सुना होगा, कि यह लोग कभी दरी भी बिछाए होंगे। कहा भी जाता है, कि जिस दिन सरकारी स्कूल वाले गुरुजी अपने दायित्वों का पूरी तरह निर्वहन करने लगेंगे, उस दिन न तो कोई निलंबित होगा, और न कभी दरी ही बिछेगी। सरकार और विभाग के अधिकारियों का सबसे अधिक समय गुरुजी लोगों को सुधारने और अपडेट करने में चला जाता है।

उसके बावजूद न तो शिक्षा की गुणवत्ता और न गुरुजी में ही सुधार हो रहा है। ऐसा भी नहीं सभी गुरुजी एक जैसे होते हैं, अधिकांश गुरुजी के भीतर कूट-कूटकर ईमानदारी भरी हुई, और उनके भीतर दायित्वों के निवर्हन का बोद्य भी रहता है। अगर किसी महिला गुरुजी पर बच्चों का अनाज खाने जैसा आरोप लगता है, तो समाज ऐसे महिला गुरुजी को हेय की दृष्टि से देखता है। यही काम अगर प्रधान और कोटेदार करता है, तो समाज उतना ध्यान नहीं देता, क्यों कि समाज की निगाह में यह दोनों पहले ही चोर साबित हो चुके हैं। समय से स्कूल न जाना और गरीब बच्चों का अनाज खाना दोनों में जमीन आसमान का फर्क है।

नहीं चेती खाकी तो' जिले में बढ़ सकती है गैंगवार

ठेकेदारी के बीच वर्चस्व बन सकता बवाल : सरकारी दफ्तरों की वारदातें घटना को दे रही संकेत

बबलू सिंह अंगारा

रायबरेली। ठेकेदारी के बीच वर्चस्व की लड़ाई और टेंडर के दौरान दिन दहाड़े सरकारी दफ्तरों में आए दिन होने वाली वारदातो ने संकेत कर दिया है कि अगर समय रहते पुलिस नहीं चेती तो किसी समय भी वर्चस्व को लेकर गैंगवार जैसी घटना हो सकती है। वजह यह कि अब तक विभिन्न विभागों में हुए विवाद में नामजद आरोपियों पर किसी न किसी पार्टी के बड़े नेताओं का वरदहस्त प्राप्त है सायद यही वजह कि दर्जनों मुकदमे लदे होने के बावजूद सरकारी दफ्तरों में बवाल करने से नहीं बाज आते हैं। उल्लेखनीय है कि अभी कुछ महीनों पूर्व कैनाल रोड स्थित सिंचाई विभाग परिसर में दिनदहाड़े दो ठेकेदारों के बीच बड़ी नोंक-झोंक हूई थी इस दौरान कुछ लोगों ने असलहों का भी प्रदर्शन किया था जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

गनीमत रही कि कोई अप्रिय घटना नही घटी थी मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल किया था जिसमें सायद पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज किया था। अभी मामला ठंडा नहीं पड़ा था कि गोरा बाजार स्थित पीडब्ल्यूडी परिसर में भी टेडर के दौरान दो गुटों के बीच टकराव हो चुका है जिसमें शहर की काबिल पुलिस ने बडी ही तत्परता दिखाते हुए एक आरोपित को जेल भेज दिया था जबकि एक कोर्ट ने सरेंडर किया था और एक या दो असरदार आरोपित

फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस की विवेचना चल ही रही थी कि सोमवार को नगरपालिका में पुनः टेंडर प्रक्रिया के दौरान एक बवाल हो गया।

यहा भी टेडर के बीच वर्चस्व की लड़ाई सामने आई थी जिसमें एक पक्ष नीरज सिंह ने अपने भाई पंकज सिंह की बहुचर्चित हत्याकांड में शामिल आरोपियों सहित आधा दर्जन से अधिक लोगों पर धमकी व सीने में पिस्टल लगाने का आरोप लगाया था। तहरीर के मुताबिक शहर कोतवाली पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है वही दूसरे पक्ष ने भी लिखित तहरीर देकर कार्रवाई करने की माग की है। ऐसी स्थिति में अगर कानून व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ती रही और रोज सरकारी दफ्तरों में वारदातें होती रही एक दूसरों के खिलाफ मुकदमों का दौर चलता रहा तो किसी बड़ी अप्रिय घटना से नही मुकरा जा सकता है।

टेंडर प्रक्रिया में विभाग भी दोषी : टेंडर प्रक्रिया के दौरान संबंधित विभाग ऐसे लोगों की पड़ताल क्यों नहीं करता उनके दस्तावेज बरीखी से क्यों नहीं देखता। टेंडर के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर नजर विभाग पुलिस की मदद क्यों नहीं लेता।

मुकदमों के बाद चरित्र प्रमाण पत्र कैसे

रायबरेली। अभी तक सरकारी दफ्तरों के परिसर और कार्यालय में होने वाले विवाद में अधिक तर ऐसे लोगों के नाम प्रकाश में आए हैं जिनके खिलाफ अलग-अलग धाराओं में कई मुकदमे पंजीकृत है। ऐसी स्थिति में सवाल उठता है कि इनके चरित्र प्रमाण पत्र कहा से जारी हुए ठेकेदारी का लाइसेंस इन्हें कहा से मिला। जबकि मुख्यमंत्री के साफ निर्देश है कि विवादित व मुकदमे बाज लोग टेंडर प्रकिया में नहीं शामिल हो सकते। सूत्रों की माने तो इस पूरे खेल में लाइसेंस किसी का अनुभव किसी और का दाखिल कर टेंडर प्रकिया अपनाई जा रही है।

...अभी तक बीडीओ 'अनिल यादव' और 'वर्षा बगं' के 'खिलाफ'

लोकपाल मनरेगा ने दोनों बीडीओ के खिलाफ धारा 25 के तहत विधिक कार्रवाई करने का अधिनिर्णय दिया था

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...गौर ब्लॉक का ईटबहरा ग्राम पंचायत का नाम बार-बार आ रहा है। इस ग्राम पंचायत के प्रधान और सचिव का नाम अगर अच्छे कामों के लिए आता तो उसे उपलब्धि मानी जा रही है, मगर, जिस तरह सरकारी धन के दुरुपयोग के कारण इस ग्राम पंचायत का नाम बार-बार आ रहा है, उससे पता चलता है, कि ब्लॉक और ग्राम पंचायत में अनियमितताओं का बोलबाला है। यही वह ग्राम पंचायत हैं, जहां के रोजगार सेवक अंजनी कुमार को बीडीओ के चेंबर में इस लिए मारा-पीटा गया, कि उसने फर्जी मस्टरोल पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया था। फिर इसे दो बार कार से कुचलने का प्रयास किया गया है।

▸▸ गौर के ईटबहरा की प्रधान वंदना सिंह, तत्कालीन पंचायत सचिव बृजेश यादव और तकनीकी सहायक दिनेश सिंह यादव से पांच लाख 57 हजार 848 रुपये की वसूली करने भी अधिनिर्णय दिया ▸▸ अब पांच माह बाद डीएम ने डीएसओ और पीडब्लूडी के जेई की जांच टीम बनाई, क्यों कि आरोपियों का कहना है, कि उनका पक्ष नहीं सुना गया और एक पक्षीय अधिनिर्णय दे दिया गया

अगर यह सब इस ग्राम पंचायत में हो रहा है, तो इसे भ्रष्टाचार ही कहा जाएगा। यह पहला ब्लॉक और ग्राम हैं, जहां के तत्कालीन बीडीओ अनिल कुमार यादव और वर्षा बगं के लिए धारा 25 के तहत असहयोग करने के आरोप में लोकपाल मनरेगा दिव्य प्रकाष ने विधिक कार्रवाई के साथ प्रधान वंदना सिंह, तत्कालीन पंचायत सचिव बृजेष यादव और तकनीकी सहायक दिनेष सिंह यादव से पांच लाख 57 हजार 847 रुपये की वसूली का अधिनिर्णय दिया था। अधिनिर्णय दिए लगभग पांच माह हो गए, मगर अभी तक न तो दोनों बीडीओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुआ और न वसूली ही हुई, अलबत्ता मामले को लटकाने के लिए यह कहते हुए डीएसओ और पीडब्लूडी के जेई की जांच टीम बना दी गई, कि अधिनिर्णय देने से पहले उनका पक्ष नहीं सुना गया, जबकि लोकपाल मनरेगा, बराबर बीडीओ को अभिलेख उपलब्ध कराने और सहयोग करने के लिए पत्र लिखते रहे। मगर, किसी ने भी लोकपाल मनरेगा को सहयोग नहीं किया।

जिन मनरेगा की परियोजना में पांच लाख 57 हजार 847 रुपये की अनियमितता मिलने पर वसूली और दोनों बीडीओ के खिलाफ विधिक कार्रवाई करने वाला अधिनिर्णय दिया गया, वह 'बुद्धु के गड्ढे की खुदाई एवं सफाई एवं सामुदायिक षौचालय निर्माण' का रहा। ऐसा भी नहीं कि लोकपाल मनरेगा ने बीडीओ का पक्ष नहीं लिया, दोनों बीडीओ को जांच आख्या देने के लिए पत्र लिखा, जब दोनों बीडीओ ने कोई जबाव नहीं दिया, तो इसे धारा 25 के तहत असहयोग मानते हुए विधिक कार्रवाई करने का अधिनिर्णय दे दिया। यह परियोजना 22-23 की है। स्थल पर सीआईबी भी नहीं लगा था। वैसे भी लोकपाल मनरेगा के एक भी अधिनिर्णय पर स्थानीय प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं किया, बल्कि कोई न कोई कमी निकालकर जांच-पर जांच करवाते रहें, लोकपाल मनरेगा का कार्यकाल समाप्त भी हो गया, मगर कार्रवाई जीरो रही।

अब सावल उठ रहा है, कि जब लोकपाल मनरेगा के किसी अधिकनर्णय पर कार्रवाई ही नहीं करनी थी, तो फिर इनकी नियुक्ति क्यों की गई। असल, में यह घोटालेबाजों के निशाने पर आ गए थे, एक तरह से इन्होंने कईयों की दुकानों को बंद करवा दिया था।

'लोकआयुक्त' ने शुरु की तत्कालीन 'बीएसए' इंद्रजीत प्रजापति की 'जांच'

यह जांच जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन की शिकायत पर हो रही

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...तत्कालीन बीएसए इंद्रजीत प्रजापति का बस्ती का कार्यकाल दागों से भरा रहा। यह पहले ऐसे बीएसए होंगे जिनपर रसोसिया ने शोषण का आरोप लगाया। स्थानीय अधिकारियों की मेहरबानी से तो यह उक्त आरोप से बच गए, और जिस बीएसए के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए थी, उनपर न होकर आरोप लगाने वाली रसोसिया के खिलाफ कार्रवाई हो गई, उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। इस घटना ने विभाग को बहुत बदनाम किया। यह उस विभाग के मुखिया का हाल है, जिस विभाग में हजारों महिला शिक्षिकाएं और महिला कर्मचारी काम करती है। इनका आचरण और व्यवहार देखकर एक एसडीआई ने भी वही करना शुरू कर दिया था, जो बीएसए करते थे।

खैर इस बात से तो बीएसए बच गए, मगर, लेकिन जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन के द्वारा लगाए गए आरोप से बचना मुस्किल नजर आ रहा है। क्यों कि यह मामला स्थानीय अधिकारियों के पास नहीं बल्कि लोकआयुक्त के पास है, और लोकआयुक्त उन्हीं मामलों की जांच करती है, जिसमें उसे सच्चाई नजर आती है, अभिलेखों के आधार पर लोकआयुक्त जांच करती है, और

▸▸ बीएसए पर आरोप है, कि इन्होंने उदयशंकर शुक्लके मामले में हाईकोर्ट में पैरवी के लिए अधिवक्ताओं को मनमाने तरीके से कोर्ट बाबू की मिलीभगत से मनचाहे भुगतान किया

▸▸ इन पर सबसे बड़ा आरोप है, कि इन्होंने बाबूओं की मिली भगत से अमरौली सुमौली जू.हा. में फर्जी नियुक्ति पाने वाले शिक्षकों को बकाए का दो करोड़ का भुगतान कर दिया

▸▸ उपलब्ध कराए गए अभिलेखों और लोकआयुक्त की सहमति के बाद बीएसए और संबधित लिपिकों के खिलाफ कार्रवाई होना तय माना जा रहा

उसी आधार पर अपना निर्णय भी देती है। तत्कालीन बीएसए पर जो आरोप लगाए गए वह वित्तीय अनियमितता से संबधित हैं, और अभिलेख बताते हैं, कि बीएसए और बाबूओं ने मिलकर सरकारी धन का बंदरबांट किया।

आरोप में कहा गया है, कि कोर्ट बाबू 'ज्ञानचंद्र तिवारी' और तत्कालीन लिपिक 'मो. ओबैदुल्लाह शाह' और बीएसए ने मिलकर 'उदयशंकर शुक्ल आदि बनाम सरकार' के नाम से लखनऊ टिब्यूनल में एक वाद चल रहा। इसमें विभाग की ओर से नियुक्ति अधिवक्ता को नियम से अधिक भुगतान किया गया, नियम यह है, कि भले ही चाहे एक दिन में विभाग के चार या पांच वाद हो लेकिन फीस प्रतिदिन 55 हजार ही दी जाएगी। बाबूओं और बीएसए की मिली भगत से एक ही दिन में एक ही बेंच में चार वादकारियों की चार बिलें अलग-अलग प्रस्तुत कर अनेक लाख रुपये का भुगतान कर दिया।

कहने का मतलब जो भुगतान 55 हजार करना चाहिए, उसे दो लाख 20 हजार कर दिया, और इस तरह का भुगतान अनेक बार किया गया। दूसरा जो सबसे गंभीर आरोप यह है, कि अमरौली सुमाली जू.हा. के ऐसे षिक्षकों को दो करोड़ से अधिक का भुगतान, सीटीओ, बिल बाबू और बीएसए ने कर दिया, जिसमें षिक्षक स्वंय लिखकर दे रहा है, कि हमारी नियुक्ति फर्जी है। यहां पर भी बीएसए और बाबूओं ने बड़ा खेल खेला, जानबूझकर इन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में पैरवी ही नहीं किया।

संक्षिप्त समाचार

गुप्तार घाट पर चल रहे निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण, जांच के दिए आदेश

अयोध्या : नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने पर्यटन विभाग व यूपीपीसीएल के अधिकारियों के साथ गुप्तार घाट पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। पर्यटन विभाग के द्वारा यूपीपीसीएल निर्माण इकाई के माध्यम से गुप्तार घाट पर पार्क व जन सुविधा केंद्र आदि का निर्माण कराया जा रहा है इसी निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे नगर विधायक को वहां पर निर्माण सामग्री मानक के विपरीत पाए जाने पर भारी रोष व्यक्त करते हुए कार्यदायी संस्था के अधिकारियों और ठेकेदार को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि तत्काल इस निर्माण को तोड़कर गुणवत्ता पूर्वक सामग्री के साथ दोबारा निर्माण कराने का निर्देश देते हुए कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल के मानक विपरीत निर्माण कार्यों के लिए जांच का भी आदेश दिया। उन्होंने निर्माण कार्य में अनियमितता देखकर सभी को हिदायत देते हुए कहा अगर इसमें किसी भी प्रकार की हीला ह्वाली या गुणवत्ता के साथ कोई खिलवाड़ करेगा तो उस पर सख्त कार्रवाई होगी। निर्माण कार्यों में और अच्छा प्रदर्शन लाने के लिए सुझाव दिया। कहा कि प्रदेश सरकार जिस प्रकार से विकास कार्यों का खाका खींच रही है वह प्रशंसनीय है, इसके साथ-साथ पौराणिक महत्व के गुप्तार घाट समेत अनेक स्थलों का भी जीर्णोद्धार/ नवनिर्माण करा रही है जिससे भारतीय संस्कृति सदियों तक सुरक्षित रहे। निरीक्षण के समय उनके साथ यूपीपीसीएल के एपीएम राजेश कुमार सिंह, जूनियर इंजीनियर, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी व पर्यटन विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

रोजगार मेले में 151 अभ्यर्थी हुए चयनित

रायबरेली : जनपद में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना अन्तर्गत उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान व जिला सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान से विकास खण्ड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन विकास खण्ड राही के प्रांगण में किया गया। इस रोजगार मेले में कई निजी कम्पनियों मदरसन सूमी प्रा.लि., लेन्सकार्ट, पुखराज हेल्थकेयर एवं डॉन बास्को द्वारा बेरोजगार युवाओं का साक्षात्कार कर रोजगार प्रदान किया गया। मेले में कुल 296 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमें से 151 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी गौरी राठौर, प्रधानाचार्या राजकीय आईटीआई (महिला) रायबरेली नेहा जी, जिला कौशल प्रबन्धक राजीव कुमार सिंह, जिला कौशल प्रबन्धक धर्मेन्द्र मिश्रा, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक दिनेश पाल एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

पीएनसी की लापरवाही लोगों पर भारी जल भराव के कारण आवागमन प्रभावित

मिल्कीपुर/अयोध्या

अयोध्या : रायबरेली फोरलेन 330ए पर बारुन चौराहे पर अंधीअंधा-तरमा संपर्क मार्ग तथा करमडांडा संपर्क मार्ग पर बीते दिनों हुई बारिश से इन मार्गों का मुहाना जलमग्न हो गया। इन स्थानों पर जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण राहगीरों तथा स्थानीय लोगों को 2- 3 फीट पानी के भीतर से गुजरना पड़ रहा है। सुबह से लेकर शाम तक यहां दर्जनों राहगीर पानी में गिरकर चोटिल हो रहे हैं और जलभराव का दंश झेल रहे हैं।

फोरलेन निर्माण के दौरान सड़क के ऊंचा हो जाने के कारण इन संपर्क मार्गों का मुहाना नीचा हो गया और जब भी बारिश होती है तो यह सड़क 20-30 मीटर दूरी पूरी तरह से जलमग्न हो जाती है। स्थानीय निवासी अजय मौर्य, अमित जायसवाल,

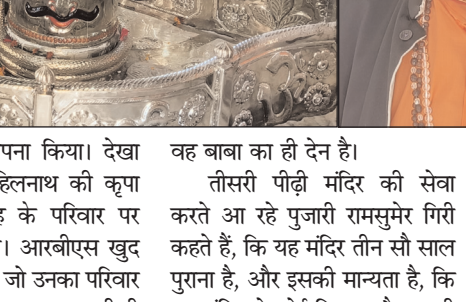

सोहराब, महेश शर्मा, आनंद मिश्रा, शिवम यादव, राजेश कौशल, शिवलाल, प्रदीप गुप्ता, सनीत कुमार, अरुण कुमार, अरविंद सिंह गुडडू, महेश चौरसिया, प्रवीण कसौंधन आदि का आरोप है कि पीएनसी ने फोरलेन तो ऊंचा बना दिया पर लिंक मार्गों के मुहाने को सड़क के सापेक्ष ऊंचा नहीं किया। सभी ग्रामीणों ने एक सुर में जल भराव की समस्या को दूर करने की मांग किया है।

'चांदी-चांदी' हुआ बाबा 'बेहिल' नाथ का 'मंदिर'

'आरबीएस' ने 'बाबा बेहिल नाथ' को 'समर्पित' किया 90 किलो 'चांदी'

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...बनकटी ब्लॉक के ग्राम पंचायत बेहिल में स्थित बाबा बेहिलनाथ का मंदिर चांदी मय हो गया। बाबा के भक्त और अमरढ़ोभा निवासी रमेषबहादुर सिंह पर बाबा की इतनी कृपा बरसी कि इन्होंने बाबा के मंदिर को 90 किलो चांदी समर्पित कर दिया। आज यह मंदिर चांदी-चांदी हो गया।

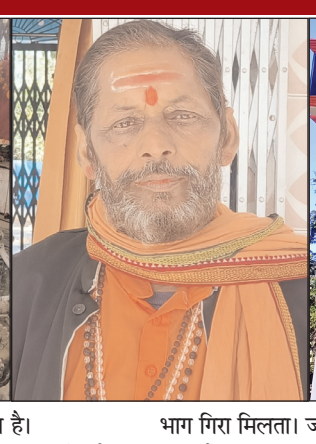

चांदी का त्रिशूल, चांदी का अर्घा, चांदी की डमरु, चांदी के मुकुट मंदिर का रुप विशाल हो गया। मंदिर में प्रवेश करते ही मानो किसी चांदी के कमरे में आ गए। आरबीएस के पिता स्व.चंद्रिका सिंह ने मंदिर के अधूरे निर्माण को पूरा कराया, इससे पहले जितने भी तपश्वी लोगों ने मंदिर का निर्माण कराना चाहा, निर्माण के दूसरे दिन वह ढह जाता। पिता के बाद उनके पुत्र रमेश बहादुर सिंह ने मंदिर के जीर्णोद्धार का बीड़ा उठाया। कथा स्थल बनवाया, यज्ञशाला की स्थापना किया। देखा जाए तो बाबा बेहिलनाथ की कृपा स्व. चद्रिका सिंह के परिवार पर सबसे अधिक रही। आरबीएस खुद कहते हैं, कि आज जो उनका परिवार जिस जगह खड़ा है, वह बाबा की ही देन है। बाबा के आर्शीवाद से उनका परिवार फलफूल रहा है। यह सही है, कि आरबीएस के परिवार ने जितनी तरक्की की, उतना क्षेत्र के बहुत कम लोगों ने किया। उनका जो कुछ है, वह बाबा का ही देन है।

तीसरी पीढ़ी मंदिर की सेवा करते आ रहे पुजारी रामसुमेर गिरी कहते हैं, कि यह मंदिर तीन सौ साल पुराना है, और इसकी मान्यता है, कि इस मंदिर से कोई निराश और खाली हाथ नहीं गया। पहले यहां जंगल था, बड़े-बड़े तपष्वी यहां आए और उन्होंने मंदिर का निर्माण कराना चाहा, दिन में निर्माण करते और दूसरे दिन सुबह निर्माण किया हुआ भाग गिरा मिलता। जब गांव वालों ने एक दो रुपया चंदा देकर मंदिर का निर्माण करवाना षुरु किया, तभी से मंदिर का कोई भी भाग नहीं गिरा। कहते हैं, कि इस अधूरे मंदिर को पूरा करने का श्रेय आरबीएस के पिता को जाता है। कहते हैं, कि एक बार मंदिर का घंटा कोई चोर उठा ले गया, न जाने क्या हुआ कि उसे थोड़ी देर बाद मंदिर वापस आना पड़ा, और जैसे ही वहसीढ़ी पर चढ़ा घंटा उसके छोले से अपने आप गिर गया, उसके बाद वह आदमी पागल हो गया। कहते हैं, कि इस मंदिर की मान्यता यह है, कि अगर कोई परिवार यहां पर हवन या फिर कथा सुनता है, और कथा करने वाले पुजारी के मन में कोई खोट या फिर वह गलत श्लोक पड़ता है।

तो आसपास के जितने भी मधु मक्खी हैं, आकर पुजारी को काटने लगती है, एक बार तो एक पुजारी पर मधुमक्खियों ने एक साथ इतना हमला किया, कि उसे लगा कि उसकी जान चली जाएगी, तब उसने बाबा के चरणों में चला गया, और स्थान को पकड़कर जान बचाने की मिन्नते करने लगा, तब जाकर उसकी जान बची, और मधुमक्खियां अपने आप चली गई। पुजारीजी कहते हैं, कि यह मंदिर तीन कालों के इतिहास कसे समेटे हुए है। कहते हैं। जिस तरह से बाबा का चांदी से सिंगार किया गया, वह देखने लायक है। अष्टकोणीय अर्घे में विराजमान बाबा बेहिलनाथ का इतिहास लौह, षुंग तथा कुषाण कालीन है। यहां पर खुदाई के दौरान स्वर्ण मुद्रा भी मिला था। बस्ती गजेटियर के अनुसार दर्ज बाबा बेहिलनाथ मंदिर तील टीलें है।

जिनके पुरातात्विक खुदाई होने पर कई कालों के अवशेष मिलने की संभावना है। प्रदेश के पर्यटन विभाग की सेूची में शामिल बेहिल नाथ मंदिर शिवलिगं को रजत अर्घा बनाए जाने पर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में खुशी है। बाबा बेहिल नाथ को चांदी का श्रृंगार पिछले दो माह से वाराणसी के प्रदीप कुमार और उनकी टीम कर रही है।